भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 1308**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 03 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए
रत्न एवं आभूषणों का निर्यात

1308. श्री दिनेशभाई मकवाणा:
श्री परषोत्तमभाई रूपाला:
क्या **वाणिज्य एवं उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रत्न एवं आभूषण उद्योग के समक्ष आ रही चुनौतियों का ब्यौरा क्या है, जिससे कटे एवं पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात प्रभावित हो रहा हैं;
(ख) संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और पश्चिम एशिया जैसे प्रमुख बाजारों में रत्न और आभूषणों की मांग को बढ़ाने में टास्कफोर्स की भूमिका का ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या टास्कफोर्स आभूषण विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में देश की स्थिति को मजबूत करने में सक्षम होगा, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) वर्तमान में चुनौतियों के प्रमुख कारण प्रमुख निर्यात स्थलों में मांग में कमी और रूसी मूल के हीरों पर जी 7 प्रतिबंधों जैसी आपूर्ति पक्ष की चुनौतियां हैं।

(ख) और (ग) वाणिज्य विभाग, रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) सहित उद्योग के हितधारकों के साथ मिलकर, रत्न और आभूषण क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए, मौजूदा प्रमुख बाजारों को बनाए रखते हुए, नए बाजारों और नए उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने की पहल कर रहा है।

*****